%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 701

NO. 375

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 800; A. R. No. 282-C of 1899 )

Ś. 1299

(१।) स्वस्ति श्री [।।] शाके(का)व्दे निधि-रत्न-भानुगणिते [पौ]ष्यां विधौ राहु-

(२।) [णा]मस्ते[भौ]मदिने शुभे नरहरे[ः] श्रीसिहशैलेसितुः [।] श्रीमान् पेद्दनम-

(३।) ंत्रि {वरिय}तनयः प्रादान्निभं(बं)द्धत्रयं सत्भक्त्या वरदप्रभु-

(४।) [र्गुणनिधिस्वाभी]ष्ट संसिद्धये ।। श्रीशकवर्ष[ं]वुलु १२९९ गुने टि

(५।) पुष्य पुन्नम मंगलवारमुनांडु सोमग्रहणकालमंदु-

(६।) नु<2> ओड्डदि वरदन[पे]गड तनकु अभीष्ट(ष्टा)र्त्थसिद्धिगानु श्रीनरसिंहना-

(७।) थुनिकि नित्यभुन्मु ओक तिरुमज्जनामु ग्न(ग)रया तेच्चि पेट्टेनु चि[ं]गन-

(८।) ंग्यलं कोडुकु हरिगिरिको[लाल]मट्टव निवंधमु वरदानायक [चि]ग-

(९।) नायनि कोडुकु वरदुन कानपट्टम[ति] श्रीतममेनत्त अप्पल[म्मा]-

(१०।) कुनु पुण्याभिवृद्धिगानु नित्यमुनु ओक अ[तु]पसि तिरुमल तेचि

(११।) पेट्टनु कोमटि चिंगाकोडुकु लकुमनिकि पेटि ई मूंडु निर्वधा[ल]वा-

(१२।) रिकिनि मूंडु कु चु(चा)लु प्रसादमु गंडमाडलु पदेनिट्टिकिन्नि ठावुप-

(१३।) टि पेटिन इ तिरुमज्जनानकु पेट्टिन तंभ(वा) गर(रि)या ओकटि गो-

(१४।) पिनाथन ग्याल चेतनु मडा रे[ं]ड(डु)चिन्नन(लु) कुडंगट्टु ओकु

(१५।) टि . . सि पेट्टेनु इ धर्म्म श्रीवैष्णव रक्ष श्री श्री श्री [।।]

<1. In the twelfth pillar of the maṇḍapa round the central shrine of this temple.>

<2. There was lunar eclipse in the month of Pausha corresponding to the 15th December, 1377 A. D., Tuesday.>